भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंध

अवलोकन: साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और द्विपक्षीय , क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बढ़ते अभिसरण ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक मजबूत आधार प्रदान किया है , जो अब वैश्विक महत्व की सामरिक साझेदारी के रूप में विकसित होकर उभरी है। इस संबंध को दोनों देशों में मजबूत द्विदलीय और लोकप्रिय समर्थन प्राप्त है।

2. **उच्च-स्तरीय दौरे**: नेताओं के स्तर पर आपसी मुलाक़ातें भारत और अमेरिका के बीच जुड़ाव का एक अभिन्न तत्व रही हैं। इन दौरों से उत्पन्न परिणाम दोनों देशों के बीच बहुपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने और विकसित करने में सहायक रहे हैं।

3. **प्रधान मंत्री के दौरे:** मई 2014 में पद संभालने के बाद से, प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी (पीएम) ने छह मौकों पर अमेरिका का दौरा किया है। ऐसी तीन यात्राओं (सितंबर 2014, सितंबर 2015 और सितंबर 2019 में) ने अमेरिका में द्विपक्षीय जुड़ावों के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय खंड में भारत की भागीदारी को प्रकट किया है। मार्च-अप्रैल 2016 में, पीएम ने 4 वें परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका का दौरा किया और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बराक एच. ओबामा (राष्ट्रपति ओबामा) के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। पीएम द्वारा अमेरिका के शेष दो दौरे (जून 2016 और जून 2017 में) विशेष रूप से द्विपक्षीय प्रकृति के थे। जून 2017 में पीएम की वाशिंगटन डीसी की यात्रा , पीएम और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति , डोनाल्ड जे. ट्रम्प (राष्ट्रपति ट्रम्प) के मुलाकात और विचारों के आदान-प्रदान का पहला मौका था। रक्षा, सुरक्षा और सामरिक सहयोग, ऊर्जा और आतंकवाद का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों में इस यात्रा से कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए।

4. **भारत के उपराष्ट्रपति का दौरा:** भारत के उपराष्ट्रपति , श्री एम. वेंकैया नायडू ने सितंबर 2018 में अमेरिका का दौरा किया।

5. **राष्ट्रपति ओबामा का दौरा:** राष्ट्रपति ओबामा ने जनवरी 2015 में भारत का दौरा किया और 66 वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

6. **बहुपक्षीय कार्यक्रमों के मौके पर उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें:** इन दौरों के अलावा , अन्य देशों में बहुपक्षीय कार्यक्रमों के मौके पर नेताओं के स्तर पर कई द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं। इनमें पीएम और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच द्विपक्षीय बैठकें शामिल हैं: मनीला (13 नवंबर 2017), ओसाका (28 जून 2019), और बियारिट्ज (26 अगस्त 2019)। पीएम ने 14 नवंबर, 2018 को सिंगापुर में पूर्वी एशिया

शिखर सम्मेलन के मौके पर संयुक्त राज्य अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइकल आर. पेंस से भी मुलाकात की।

7. **पीएम और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच अन्य जुड़ाव:** उपरोक्त के अलावा, दोनों नेता 22 सितंबर 2019 को ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी , मोदी!' कार्यक्रम के दौरान और नेता स्तरीय दो त्रिपक्षीय बैठकों (भारत-अमेरिका-जापान) में मिले थे, जो ब्यूनस आयर्स (नवंबर 2018) और ओसाका (जून 2019) में जी 20 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई थी। 2019-20 में, पीएम ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ टेलीफोन पर कई बार बातचीत की , जिसमें जनवरी 2019 और 2020 में नए साल की बधाई का आदान-प्रदान करना , उसके बाद मई 2019 में पीएम की चुनावी जीत पर , और अगस्त 2019 में कुछ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर की गई वार्ता शामिल है।

8. **उच्च स्तरीय संवाद तंत्र:** भारत और अमेरिका में पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए 50 से अधिक द्विपक्षीय अंतर-सरकारी संवाद तंत्र हैं। ऐसे कई संवाद तंत्र मंत्री-स्तर पर आयोजित किए जाते हैं जिनमें शामिल हैं:

- **भारत-अमेरिका 2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद:** भारत-अमेरिका 2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद का नेतृत्व भारत और अमेरिका के विदेश और रक्षा मंत्रालयों के अध्यक्ष करते हैं। अब तक इस संवाद के दो दौर आयोजित हो चुके हैं (सितम्बर 2018 और दिसंबर 2019 में)।

- **भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद:** भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (सीआईएम) और अमेरिकी वाणिज्य सचिव करते हैं। यह आखिरी बार फरवरी 2019 में दिल्ली में आयोजित किया गया था।

- **भारत-अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय भागीदारी:** भारत-अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय भागीदारी का नेतृत्व वित्त मंत्री (एफएम) और अमेरिकी राजकोष सचिव करते हैं। यह आखिरी बार नवंबर 2019 में दिल्ली में आयोजित किया गया था।

- **भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम:** भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम का नेतृत्व सीआईएम और अमेरिकी वाणिज्य प्रतिनिधि (यूएसटीआर) करते हैं। यह आखिरी बार अक्टूबर 2017 में वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित किया गया था।

- **भारत-अमेरिका सामरिक ऊर्जा भागीदारी:** भारत-अमेरिका सामरिक ऊर्जा भागीदारी का नेतृत्व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री और अमेरिकी ऊर्जा सचिव करते हैं। यह आखिरी बार अप्रैल 2018 में दिल्ली में आयोजित किया गया था।

- **भारत-अमेरिका होमलैंड सिक्योरिटी संवाद (एचएसडी):** भारत-अमेरिका होमलैंड सिक्योरिटी संवाद का नेतृत्व गृह मंत्री और अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के सचिव करते हैं। यह आखिरी बार मई 2013 में वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित किया गया था।

9. **2019 में अन्य महत्वपूर्ण जुड़ाव:** विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित संवाद तंत्र के माध्यम से संवाद के अलावा, 2019 में हुए कुछ अन्य प्रमुख जुड़ावों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अमेरिका की ओर से दौरे:** अमेरिकी वाणिज्य सचिव, **विल्बर रॉस** ने मई 2019 में आयोजित 'ट्रेड विंड्स इंडो-पैसिफिक फोरम एंड मिशन' नामक एक व्यापार मंच में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। विश्व आर्थिक मंच के भारत आर्थिक शिखर सम्मेलन के लिए अक्टूबर 2019 में सचिव रॉस ने पुनः भारत का दौरा किया। इन दोनों यात्राओं के दौरान भारतीय वार्ताकारों के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत हुई। हमारी नई सरकार के उद्घाटन के बाद , अमेरिकी सचिव **माइकल आर. पोम्पियो** (सचिव पोम्पियो) अमेरिकी सरकार के वो पहले मंत्रिमंडल स्तर के अधिकारी थे जो जून 2019 में भारत आए थे। उन्होंने इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री (ईएएम), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) से मुलाकात की और पीएम से बात की। 2 अगस्त 2019 को बैंकाक में आयोजित आसियान क्षेत्रीय मंच के मौके पर विदेश मंत्री ने सचिव पोम्पियो से दुबारा मुलाकात की। अमेरिकी उप-सचिव, **जॉन सुलिवन**, पांच-सदस्यीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल, और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने अगस्त 2019 में नई दिल्ली में आयोजित भारत-अमेरिका फोरम में भाग लिया। अमेरिका के **इंडियाना, न्यू जर्सी, कोलोराडो और अरकंसास राज्यों के गवर्नर** 2019 में व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल को साथ लेकर भारत आए थे।

- **भारत की ओर से दौरे: विदेश मंत्री** ने सितंबर और अक्टूबर 2019 में अमेरिका का दौरा किया। इस दौरे के दौरान सचिव पोम्पियो ; अमेरिका के रक्षा सचिव , डॉ. मार्क एस्पर (सचिव एस्पर) ; अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार , रॉबर्ट सी. ओ 'ब्रायन (एनएसए ओ 'ब्राय); और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के कार्यवाहक सचिव के साथ मुलाकात के अलावा , ईएएम ने प्रमुख अमेरिकी थिंक-टैंकों के साथ संवाद की और इसके अलावा कई अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लिया। **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री** ने सितंबर और नवंबर 2019 में अमेरिका का दौरा किया और अपने अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात की।

- 2 + 2 संवाद में भाग लेने के अलावा, दिसंबर 2019 में **रक्षा मंत्री** (आरएम) के अमेरिका दौरे में अन्य द्विपक्षीय जुड़ाव शामिल थे जैसे कि न्यूयॉर्क की भारतीय समुदाय के साथ मुलाकात , नॉरफ़ॉक में एक नौसेना स्टेशन का दौरा और सचिव एस्पर के साथ द्विपक्षीय बैठक। **रक्षा मंत्री**

ने नवंबर 2019 में बैंकॉक में आयोजित आसियान रक्षा मंत्री बैठक-प्लस के मौके पर सचिव एस्पर के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

- **विदेश मंत्री** ने दिसंबर 2019 में 2 + 2 संवाद के लिए अमेरिका का दौरा किया और सचिव पोम्पियो और एनएसए ओ'ब्रायन के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठकें कीं। विदेश मंत्री ने सीनेट विदेश संबंध समिति के नेता से भी मुलाकात की।

- 2 + 2 संवाद के लिए दिसंबर 2019 में अमेरिका दौरे के दौरान, **विदेश मंत्री** और **रक्षा मंत्री** ने 18 दिसंबर 2019 को **राष्ट्रपति ट्रम्प** के साथ संयुक्त वार्ता की।

- **आंध्र प्रदेश, मेघालय और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों** ने 2019 में अमेरिका का दौरा किया।

10. <u>भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय जुड़ाव की विशेषताओं पर नीचे प्रकाश डाला गया है</u>:

- **रक्षा:** रक्षा संबंध भारत-अमेरिका की सामरिक भागीदारी का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है और साथ ही रक्षा व्यापार, संयुक्त अभ्यास, कार्मिक आदान-प्रदान, और समुद्री सुरक्षा और समुद्री डकैती का मुकाबला करने में सहयोग को गहन बनाया गया है। भारत किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास करता है। कुछ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय अभ्यास हैं: युद्ध अभ्यास, वज्र प्रहार, तारकश, टाइगर ट्रायम्फ और कोप इंडिया। अमेरिका से प्राप्त रक्षा संबंधी अधिग्रहणों का कुल मूल्य 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। भारत-अमेरिका रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (डीटीटीआई) का उद्देश्य सह-विकास और सह-उत्पादन प्रयासों को बढ़ावा देना है। जून 2016 में, अमेरिका ने भारत को एक "प्रमुख रक्षा भागीदार" के रूप में मान्यता दी, जो अमेरिका को भारत के साथ प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए प्रतिबद्ध करता है उस स्तर पर जिस पर अमेरिका अपने करीबी सहयोगियों और भागीदारों के साथ साझा करता है। सामरिक व्यापार प्राधिकार (एसटीए) अनुज्ञा छूट के टियर I पर भारत के उत्थान की घोषणा आगे भी उन्नत और संवेदनशील प्रौद्योगिकियों के परस्पर आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में योगदान करेगी। सितंबर 2018 और दिसंबर 2019 में आयोजित भारत-अमेरिका 2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद के दौरान रक्षा सहयोग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हुए।

- **2 + 2 मंत्रिस्तरीय संवाद के अलावा, रक्षा सहयोग पर कुछ अन्य महत्वपूर्ण संवाद तंत्र हैं:** रक्षा नीति समूह, सैन्य सहयोग समूह, रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल और इसके संयुक्त कार्य

समूह, स्थलसेना, नौसेना और वायु सेना के लिए कार्यकारी संचालन समूह; रक्षा खरीद और उत्पादन समूह, वरिष्ठ प्रौद्योगिकी सुरक्षा समूह और संयुक्त तकनीकी समूह।

- **आतंकवाद-विरोध और आंतरिक सुरक्षा:** आतंकवाद-विरोध के सहयोग में खुफिया जानकारी के वर्धित आदान-प्रदान, सूचना के आदान-प्रदान और परिचालन सहयोग के माध्यम से काफी प्रगति देखी गई है। आतंकवाद विरोध पर द्विपक्षीय संयुक्त कार्यदल इस संबंध में एक महत्वपूर्ण तंत्र है। इसने आखिरी बार मार्च 2019 (16 वीं बैठक) में वाशिंगटन में अपनी बैठक की थी। दोनों पक्ष एचएसडी के तहत छह उपसमूहों के माध्यम से कानून-प्रवर्तन और सुरक्षा सहयोग में भी एक साथ काम कर रहे हैं। एचएसडी के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (गृह मंत्रालय और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के बीच) जुलाई 2018 में आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों ने आतंकवादियों और संस्थाओं के पदनामों पर चर्चा करने के लिए एक पदनाम संवाद भी शुरू किया है। उपरोक्त के अलावा, दोनों पक्ष विभिन्न बहुपक्षीय निकायों में आतंकवाद से मुकाबला और सुरक्षा मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ सहयोग भी करते हैं।

- भारत और अमेरिका के बीच साइबर सुरक्षा सहयोग सितंबर 2016 में हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका साइबर फ्रेमवर्क के अधीन निष्पादित किया जाता है। इस क्षेत्र में दो प्रमुख संवाद तंत्र हैं - भारत-अमेरिका साइबर सुरक्षा संवाद (आखिरी बार सितंबर 2019 में दिल्ली में आयोजित) और आईसीटी पर भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यदल (आखिरी बार अक्टूबर 2019 में दिल्ली में आयोजित)।

- **व्यापार और अर्थव्यवस्था:** संयुक्त राज्य अमेरिका वस्तुओं और सेवाओं, संयुक्त रूप से दोनों क्षेत्रों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। पिछले दो वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं की द्विपक्षीय व्यापार में 10% से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे व्यापार बढ़कर 2018 में 142 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है [स्रोत: अमेरिकी वाणिज्य विभाग]। व्यापारिक वस्तुओं का दो-तरफा व्यापार लगभग 87 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें से , भारत ने अमेरिका को 87 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का निर्यात किया और भारत ने अमेरिका से 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का आयात किया। सेवाओं में भारत-अमेरिका का व्यापार 54.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें से , भारत ने अमेरिका को 28.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की सेवाओं का निर्यात किया और भारत ने अमेरिका से 25.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की सेवाओं का आयात किया। भारत में अमेरिकी प्रत्यक्ष निवेश का अनुमान लगभग 44.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर [स्रोत: अमेरिकी वाणिज्य विभाग] लगाया जाता है , जबकि अमेरिका में भारतीय

एफडीआई का अनुमान 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर (सीआईआई सर्वेक्षण के अनुसार) लगाया जाता है।

- **ऊर्जा:** अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच अप्रैल 2018 में शुरू की गई द्विपक्षीय सामरिक ऊर्जा साझेदारी अत्यंत विश्वसनीय है एवं इसके अधीन पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों दोनों में बढ़ती विविधता देखी गई है। 2018 में एक भारत-अमेरिका प्राकृतिक गैस कार्य बल का भी गठन किया गया था। भारत ने क्रमशः 2017 और 2018 से अमेरिका से कच्चा तेल और एलएनजी का आयात शुरू किया है। अनुमान है कि अमेरिकी से आयातित कच्चा तेल और एलएनजी का कुल मूल्य वर्तमान में 6.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। फरवरी 2019 में, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अमेरिकी मूल का कच्चा तेल आयात करने के लिए आवधिक अनुबंध को अंतिम रूप दिया। ये अमेरिकी मूल का कच्चा तेल आयात करने हेतु किसी भी भारतीय सार्वजनिक उपक्रम द्वारा निष्पादित प्रथम आवधिक अनुबंध है।

- **नागरिक परमाणु सहयोग:** द्विपक्षीय नागरिक परमाणु सहयोग पर अक्टूबर 2008 में हस्ताक्षर किया गया था। भारत और अमेरिका की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर काम करती एक नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्य समूह है , जिसने दस बार अपनी बैठकें संचालित की हैं और अनुसंधान एवं विकास सहयोग के तहत परियोजनाएं चला रहे हैं जिनकी समीक्षा कार्य समूह द्वारा की जाती है। अमेरिका की एक कंपनी - वेस्टिंगहाउस, भारत के न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ एक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए चर्चा कर रही है, जिसमें कोवाड़ा (ए.पी) में छह एपी 1000 रिएक्टर लगाने की परिकल्पना की गई है। एक बार कार्यान्वित हो जाने के बाद, यह परियोजना अपनी तरह की एक सबसे बड़ी परियोजना होगी।

- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी / अंतरिक्ष:** अक्टूबर 2005 में हस्ताक्षरित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते की रूपरेखा के अधीन भारत और अमेरिका के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुआयामी सहयोग लगातार बढ़ रहा है, जिसे सितंबर 2019 में दस साल की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया था। भारत-अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ), जिसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका द्वारा 2000 में एक स्वायत्त, द्वि-राष्ट्रीय संगठन के रूप में स्थापित किया गया था, इस क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- दोनों देशों के नागरिक अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है जिसमें पृथ्वी अवलोकन, उपग्रह नेविगेशन और अंतरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण में सहयोग शामिल है। नागरिक अंतरिक्ष सहयोग पर भारत-अमेरिका संयुक्त कार्य समूह नियमित रूप से सहयोग की स्थिति की समीक्षा करता है और अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए नए क्षेत्रों की पहचान करता है। इस समूह की सातवीं बैठक नवंबर 2019 में बंगलौर में आयोजित की गई थी। इसरो और नासा दोनों पक्षों के बीच प्रासंगिक कार्य समूहों के माध्यम से मंगल के अन्वेषण , हेलियोफिजिक्स और मानव अंतरिक्ष उड़ान में गहन सहयोग की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

- **भारतीय प्रवासी:** अनुमान लगाया जाता है कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों और भारतीय अमेरिकियों की संख्या लगभग 4 मिलियन है, जो कुल अमेरिकी आबादी का लगभग 1% हिस्सा है। इनमें पेशेवर , उद्‌यमी और शिक्षाविद शामिल हैं, जो अमेरिकी राजनीति , अर्थव्यवस्था और समाज पर काफी हद तक और लगातार प्रभाव डालते हैं। वे भारत-अमेरिका संबंधों के एक बड़े हितधारक हैं जिन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- **शिक्षा:** भारत और अमेरिका के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत मजबूत संबंध और सहयोग रहे हैं। भारतीय छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। वर्तमान अमेरिका में 200,000 से अधिक भारतीय छात्र विभिन्न पाठ्‌यक्रमों का अनुसरण कर रहे हैं।

- **क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** दोनों देश सुरक्षा के साथ-साथ विकास क्षेत्रों में कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग और समन्वय कर रहे हैं। हम समुद्री और साइबर सुरक्षा , मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रयासों जैसे क्षेत्रों में भी संलग्न हैं। अमेरिका ने संशोधित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत की प्रारंभिक सदस्यता के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। भारत और अमेरिका हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ पूरी दुनिया में शांति, समृद्धि, और सुरक्षा को बढ़ावा देने में संलग्न हैं।

फरवरी 2020

*****